अंतर- विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र
अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067
राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्व हिंदी दिवस आयोजन (10 जनवरी, 2025)

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक तिमाही में सक्रिय गतिविधियां सुनिश्चित करने हेतु एक वार्षिक पंचाग तैयार किया गया है। इन गतिविधियों के आयोजन के पीछे प्रमुख उद्देश्य केंद्र में राजभाषा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना और राजभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करना है।

इसी क्रम में अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र में नववर्ष की पहली तिमाही के दौरान **(जनवरी-मार्च, 2025)** **विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी)** का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का आयोजन **श्री राजीव मेहता, वैज्ञानिक 'एच'** की अध्यक्षता में किया गया था ।

मख्य अतिथियों के साथ श्री राजीव मेहता. वैज्ञानिक 'एच'

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे- श्री आशुतोष कुमार, उप निदेशक (राजभाषा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् और सुश्री सर्जना शर्मा, डिप्टी न्यूज़ एडिटर, सन्मार्ग।

इस अवसर पर सभी कर्मचारियों के लिए मुख्य अतिथियों की ओर से 'विश्व में हिंदी भाषा के बढ़ते महत्व पर एक लघु व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और आशु भाषण प्रतियोगिता का संचालन किया गया।

आशु भाषण प्रतियोगिता के निर्धारित प्रारूप के अनुसार सभी प्रतिभागियों को भाषण हेतु तत्काल एक विषय प्रदान किया गया और इसके लिए उन्हें 3 मिनट का समय प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में कुल तीन पुरस्कार ही वितरित किये जाने थे। जिनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार सम्मिलित थे।

प्रतियोगिता में कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती मनीषा रानी, निजी सहायक (शैक्षणिक विभाग), द्वितीय स्थान श्री हर्षवर्धन, कनिष्ठ अभियंता 'डी' और तृतीय स्थान श्रीमती ऊषा कटारिया, प्रशासनिक अधिकारी (संपदा) ने प्राप्त किया। अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप एक भेंट प्रदान की गई।

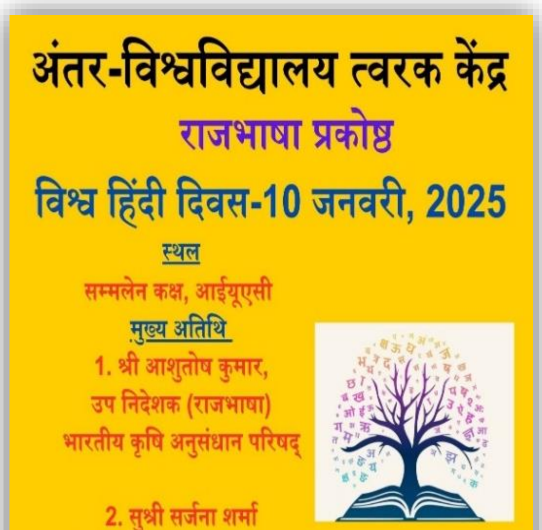

कार्यक्रम की एक झलक

अतिथियों का स्वागत करते श्री राजीव मेहता, वैज्ञानिक 'एच'

मुख्य अतिथि- श्री आशुतोष कुमार

मुख्य अतिथि -सुश्री सर्जना शर्मा

श्री राजीव मेहता, वैज्ञानिक 'एच' का स्वागत करते वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारीगण

आशु भाषण प्रतियोगिता के विजेता (प्रथम, द्वितीय और तृतीय)

श्रीमती मनीषा रानी (प्रथम पुरस्कार)

श्री हर्षवर्धन (द्वितीय पुरस्कार)

श्रीमती ऊषा कटारिया (तृतीय पुरस्कार)